om 23 Final_Page 1 and 2 02/03/2015 10:20 Page 12

चरित्र ही जीवन में शांति व साधना का पूरक है : राज्यपाल वजुभाई वाला

बैंगलूरु। महात्मा गांधीजी ने अपनी सत्यता की शक्ति से ही अंग्रेजों से इस देश को स्वतंत्रता दिलायी। हमारे देश की आध्यात्मिक शक्ति सारी दुनिया को सुख शांति से भर रही है । ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के 146 से भी ज्यादा सेवाक्रेन्द्र हैं जो जन-जीवन में शांति प्रदान करने के लिए राजयोग द्वारा सेवाएं दे रहे है।

बैंगलूरु के जक्कुर में प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ के नवनिर्मित 'शिवशक्ति भवन' और 'ज्ञानामृत भवन' का उद्घाटन और 'दिव्य प्रकाश भवन' शिलान्यास कार्यक्रम में उपस्थित कर्नाटक राज्य के राज्यपाल माननीय वजुभाई रुदाभाई वाला ने कहा कि दाता के हाथ कभी खाली नहीं होते और मांगने वालों के हाथ कभी भरते नहीं। इस सत्य को जान हमें भी महादानी बनना है। जैसे भौतिक शरीर का शुद्धिकरण करते हैं, ऐसे ही आंतरिक अर्थात् आत्मा के शुद्धिकरण की तरफ बहुत ध्यान देते हुए शांति का जीवन बनाना है।

बैंगलूरु। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए राज्यपाल महामहिम वजुभाई रुदाभाई वाला, दादी रतनमोहिनी, श्री श्री श्री शिवरूद्र महास्वामी जी, ब्र.कु. वीणा, ब्र.कु. मृत्युंजय तथा ब्र.कु. पदमा व ब्र.कु.लक्ष्मी।

ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने अपने आशीर्वचन देने के साथ-साथ जीवन में आध्यात्मिक शांति का महत्व और राजयोग द्वारा होने वाले फायदे को विस्तृत रूप से बताया। इस अवसर पर उपस्थित सभी भाई बहनों को राजयोग ध्यान के अभ्यास द्वारा अनुभव कराया।

इसके साथ बैंगलूरु बेली मठ महासंस्थान के श्री श्री श्री शिवरूद्र महास्वामीजी ने कहा कि विश्व मानव संदेश कहता है 'यह अलग है वह अलग है यह नहीं सोचिए, सब हमारे हैं हम सबके हैं' इसी दिशा में ब्रह्माकुमारी संस्था दुनिया भर में समर्पण मनोभाव से शांति स्थापना का ध्येय लेकर कार्यनिर्वाह कर हर है। हम राजयोगी भाई बहनों को उनके इस कार्य के लिए दिल से मुबारक देते हैं।

कार्यक्रम के आरंभ में वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु वीणा ने प्रस्ताविक भाषण किया तथा साथ साथ ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग प्रशिक्षण और सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी और यथार्थ रुप से राजयोग का अभ्यास कर परमात्मा का अनुभव करने का संदेश दिया।

राज्यपाल वजुभाई रुदाभाई वाला ने कर्नाटक की ज़मीन पर सच्चे अर्थ में शुद्ध और चरित्रवान मनुष्यों की रचना में कार्यरत ब्रह्माकमारीज़ को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि जब सरकार चरित्रवान लोगों के निर्माण के कार्य को सुचारु रूप से करने में विफल हो रही है, वहीं ब्रह्माकुमारी संस्था विश्व भर में चरित्रवान व्यक्तियों के निर्माण कार्य में तत्पर है। बैंगलूरु सिटी सब ज़ोन संचालिका ब्र.कु पदमा ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया।

कार्यक्रम के अंत में दादी ने वहां मौजूद सभी गणमान्य अतिथियों को ईश्वरीय सौगात दी और सम्मानित किया।

गुलबर्गा सबज़ोन संचालिका ब्र.कु विजया और अहमद अनवर जी ने कार्यक्रम का मंच संचालन किया।

दूषित अन्न व मन से हो रहा नुकसान:राम नाईक

ब्रह्माकुमारीज़ ने किसान सशक्तिकरण अभियान का किया शुभारंभ।

लखनऊ। अंतराष्ट्रीय संस्था प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय तथा उसकी सहयोगी संस्था राजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन द्वारा कृषि भवन से 'किसान सशक्तिकरण अभियान' का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर आयोजित समारोह में राज्यपाल माननीय राम नाईक ने कहा कि आज दूषित अन्न के कारण अस्पताल मरीजों से पटे पड़े हैं। वहीं, दूषित मन के कारण समाज में अशान्ति है। समाजसेवी संस्था ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा किसानों को अन्न शुद्धि के लिए प्राचीन जैविक और यौगिक खेती की विधि बताने तथा मन की शुद्धि के लिए राजयोग का व्यवहारिक प्रशिक्षण देने से प्रदेश के किसानों में नई जागृति आएगी।

उन्होंने कहा कि ऐसी कोई संस्था नहीं जो इतने बड़े स्तर पर खेती का ऐसा काम करती हो। राजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन का ग्राम्य विकास प्रभाग आर्थिक, सामाजिक एवं नैतिक उन्नति के लिए सतत् प्रयत्नशील है। ये महत्वपूर्ण आंदोलन व अभियान है। इससे समाज के विभिन्न वर्गों को लाभ मिलेगा। इसी तरह के प्रयासों से उत्तर प्रदेश से 'उत्तम प्रदेश' बन सकता है। ग्राम्य विकास प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. राजू ने बताया कि अभियान के अंतर्गत तीन 'दिव्य किसान सेवा रथ' प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्र में एक माह तक भ्रमण करेगा। इन रथों के साथ दो-दो गाड़ियां भी होंगी, जिनमें संस्था के 10-12 कार्यकर्ता होंगे। किसानों को सेवाधारी शाश्वत यौगिक खेती का व्यवहारिक ज्ञान एवं प्रशिक्षण देंगे। साथ ही, किसानों को सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी देंगे। लखनऊ से एक रथ वाराणसी, दूसरा उरई और तीसरा बरेली तक जाएगा।

तीन 'दिव्य किसान सेवा रथ' लखनऊ से वाराणसी, उरई व बरेली के लिए हुए रवाना, प्रदेश के किसानों को सेवाधारी शाश्वत यौगिक खेती का देंगे व्यवहारिक ज्ञान एवं प्रशिक्षण

उन्होंने कहा कि सृष्टि के आदिकाल सतयुग में जब प्रकृति सम्पूर्ण सतोप्रधान थी, तब खेती से पौष्टिक शुद्ध अन्न, फल व सब्जियां पैदा होती थीं। शुद्ध अन्न के कारण लोगों का मन शुद्ध और शरीर निरोगी होता था। प्रकृति के पाँचों तत्व सुखदायी थे। धन-धान्य से सम्पन्न होने के कारण भारत 'सोने की चिड़िया' कहलाता था। धीरे-धीरे इंसान देहभान के कारण पांच विकारों के वशीभूत होता गया। जनसंख्या बढ़ने से अधिक अन्न उपजाने का दबाव बढ़ता गया। फलस्वरूप, रसायनिक खादों तथा कीटनाशक ज़हर का अनियंत्रित उपयोग होने लगा। इससे मिट्टी का स्वास्थ्य बिगड़ा और पर्यावरण को भारी क्षति पहुँची। उपजाऊ धरती ऊसर व बंजर होने लगी। यह एक गम्भीर समस्या है, जिसके समाधान की नितांत आवश्यकता है। समारोह को प्रमुख सचिव रजनीश दूबे, ब्र.कु. राधा, ब्र.कु. बद्री विशाल, ब्र.कु. मनोरमा, कृषि निदेशक आदेश कुमार विश्नोई व राज्य कृषि प्रबन्धन संस्थान के निदेशक विनय प्रकाश श्रीवास्तव आदि ने भी सम्बोधित किया। वहीं, महाराष्ट्र के किसान भाई बाला साहब ने कार्यक्रम में आए किसानों से शाश्वत यौगिक खेती के अपने अनुभव साझा किए।

लखनऊ। झण्डी दिखाकर 'दिव्य किसान सेवा रथ' को रवाना करते हुए राज्यपाल राम नाईक। साथ हैं ब्र.कु. राधा व अन्य।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - **9414006096, 9414182088,** Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक **190** रुपये, तीन वर्ष **570** रुपये, आजीवन **4500** रुपये । **विदेश - 2500** रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 14th Feb 2015
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।